वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 157 | बुधवार 4 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जनहितैषी योजनाओं से हर घर लाभार्थी प्रधानमंत्री भी देश में लागू करें राजस्थान की जैसी योजनाएं: गहलोत

नाथद्वारा में 368 करोड़ रुपए के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास। जिले को मिली ऐतिहासिक सौगातें, सर्वांगीण विकास हुआ सम्भव, 5 अक्टूबर को जारी होगा विजन-2030 डॉक्यूमेंट। राजस्थान की योजनाओं ने बनाए कीर्तिमान

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से हर घर लाभार्थी बना है। हर गांव और हर परिवार तक सुशासन की पहुंच सुनिश्चित हुई है। महंगाई राहत कैम्प के जरिए प्रदेशवासियों को आर्थिक सम्बल मिला है। प्रदेश में लागू योजनाओं सहित स्वास्थ्य का अधिकार, गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी जैसे कानूनों की देश-दुनिया में चर्चा होना कुशल वित्तीय प्रबंधन और जनता के सरकार के प्रति विश्वास को दर्शाता है। गहलोत मंगलवार को राजसमंद के नाथद्वारा में मिशन-2030 के तहत मार्बल व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों, कर्मचारियों व पिछवाई पेंटिंग के कारीगरों से संवाद और विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री वीसी के जरिए मुख्यमंत्री निवास से जुड़े। समारोह में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 74 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और 294 करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अब शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, रोजगार, उद्योग, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य बन गया है। राजस्थान को अब वर्ष 2030 तक देश का अव्वल राज्य बनाना है। इसके लिए मिशन-2030 की शुरूआत की है, जिसमें 2.50 करोड़ लोगों द्वारा सुझाव दिए जा चुके हैं। उन्हीं के आधार पर 5 अक्टूबर, 2023 को विजन-2030 डॉक्यूमेंट जारी किया जाएगा। इसी के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से राज्य का मजबूत विकास होगा। उन्होंने कहा कि मिशन के लिए एक प्रकोष्ठ भी बनाएंगे, जिससे सुझावों का नियमित संकलन हो सकेगा। गहलोत ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक डॉ. सी.पी.जोशी के नेतृत्व में नाथद्वारा का चहुमुंखी विकास सम्भव हुआ है। आज हुए करोड़ों रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास से प्रगति की गति और बढ़ेगी। राज्य सरकार ने जनता से किए वादों को पूरा किया है।

हर वर्ग को मिली राहत

मुख्यमंत्री ने कहा कि घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट और कृषि उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 2000 यूनिट निःशुल्क मिलने से राहत मिली है। इससे हर परिवार लाभार्थी बना है। राज्य में 5 वर्षों में 300 से अधिक महाविद्यालय और लगभग 96 विश्वविद्यालय खोले गए हैं। लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से धार्मिक स्थलों पर विकास कार्य कराए गए हैं। लम्पी रोग से मृत पशुओं पर पशुपालकों को 40-40 हजार रुपए की सहायता दी गई। साथ ही, अब कामधेनु पशु बीमा योजना में दो दुधारू पशुओं का 40-40 रुपए का बीमा किया जा रहा है। पशुपालकों को 5 रुपए प्रति लीटर दूध अनुदान देने से उन्हें आर्थिक सम्बल मिला है और राजस्थान पड़ौसी राज्य उत्तरप्रदेश को पीछे छोड़कर दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर भी आ गया है।

प्रधानमंत्री राजस्थान की योजनाएं देश में भी करें लागू

- राज्य कार्मिकों के हितों की रक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। सबसे पहले राजस्थान में ओपीएस को पुनः लागू किया गया। केंद्र सरकार भी मानवीयता के आधार पर लिए गए इस निर्णय को देश में लागू कराए।
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 25 लाख रुपए का बीमा दिया गया है। स्वास्थ्य का अधिकार कानून लाया गया है। निःशुल्क दवा, निःशुल्क जांच सहित ऑर्गन ट्रांसप्लांट चिकित्सा सुविधा निःशुल्क की गई है। देश में भी यह कानून बनाकर लागू होनी चाहिए।
- इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। राज्य के बाद केंद्र ने मात्र 200 रुपए कम किए हैं, जबकि उन्हें देश में भी 500 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध कराना चाहिए।
- राज्य में लगभग 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। इससे सामाजिक स्तर बढ़ा है। केंद्र भी राइट टू सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू कर जरूरतमंदों को पेंशन उपलब्ध कराए।
- गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट बनाकर डिलिवरी करने वाले वर्ग को सुरक्षा प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री भी एक्ट लागू कर एक समान योजना से लाभान्वित करें।
- राज्य सरकार ने जिस तरह राज्य सहकारी बैंकों से लगभग 22 लाख किसानों के लगभग 15 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कराया। उसी तरह प्रधानमंत्री राष्ट्रीयकृत बैंकों से किसानों के कर्ज का वन टाइम सेटलमेंट कराए। सरकार किसानों की राशि स्वयं वहन करेगी। राजस्थान में किसानों की जमीनों की कुर्की रोकने के लिए कानून लाया गया है, केंद्र भी किसानों के हितों में कानून बनाए।

साध्वी धर्मप्रभा के प्रवचन से प्रभावित होकर सभी श्रद्धालुओं ने कुव्यसनों के लिए लिया संकल्प

वचनबद्ध बेमिसाल सत्यनिष्ठ अहिंसा के देवता थे वीर तेजाजी: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। हिंसा के मार्ग से विश्व मे शांति की स्थापना नहीं हो सकती है। रविवार साहूकार पेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने विश्व अहिंसा दिवस पर सत्यनिष्ठ अहिंसा के पूजारी वीर तेजाजी की गौरव गाथा का वर्णन करतें हुए कहा कि वीर तेजाजी

वचनबद्ध अहिंसा के पूजारी गायों के संरक्षक शूरवीर साहसी

महापुरुष थे उन्होंने धर्म की रक्षा और गायों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणो का हंसते - हंसते बलिदान दे दिया था।वीर तेजाजी का का जन्म राजस्थान मे नागौर जिले के खरनोल गांव के जाट परिवार में हुआ।बचपन से ही उनके साहसिक कारनामों से लोग आश्चर्यचकित एवं दंग रह जाते थे। लाछा गुजरी की गायो को डाकूओं से छुड़ाने के लिए वीर तेजा जब जंगल के रास्ते में गुजर रह थे तब आग मे जलते हुए काले नाग को भाले द्वारा अग्नि से बाहर निकाल फेंकते हैं,लेकिन सर्प को बच जाने का पश्चाताप होता है।

क्षमावणी पर्व सबसे क्षमा सबको क्षमा, उत्तम क्षमा के संदेश के साथ समारोह का आगाज

जयपुर। SDC EURO EXOTICA अपार्टमेंट नियर रिको फ्लाई ओवर, सांगानेर में रह रहे निवासियो ने मिलकर धूमधाम से **क्षमावणी पर्व** सबसे क्षमा सबको क्षमा, उत्तम क्षमा के संदेश के साथ परस्पर क्षमा याचना की। जो आज के परिपेक्ष्य में धार्मिक एवम सामाजिक रूप से संपूर्ण विश्व के लिए अभूतपूर्व बहुत अच्छा संदेश है। पारंपरिक तरीके से सामूहिक लजीज भोजन के साथ पर्व मनाया।

छात्रों ने ली जिम्मेदारियों की शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल में सत्र 2023-24 का छात्र अलंकरण समारोह' संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम स्कूल हेड बॉय अभिनंदन शर्मा व हेड गर्ल भव्या पटेल को बैच लगाकर सम्मानित किया। कल्चरल में तेजस गौतम व स्वास्तिका सेन, स्पोर्ट्स में रौनक बगड़िया व समृद्धि जैन को बैच लगाकर अलंकृत किया। इसके साथ ही वॉइस हेड बॉय मेहुल गुप्ता एवं वॉइस हेड गर्ल दिशा पाटिल, कल्चरल में रोहिनीश कुमावत व याशिका सोनी, स्पोर्ट्स में तरुष नामा व मौलिक राठौर को बैच लगाकर सम्मानित किया। बुलबुल, हंस,मयूर एवं नीलकंठ हाउस के कैप्टन एवं वाइस कैप्टन के साथ इंटरेक्ट,मैथ्स,सोशल साइंस, साइंस,नेचर, लैंग्वेज, क्विज व ऑनरटिल क्लब के प्रेसिडेंट एवं वाइस प्रेसिडेंट को टीचर्स द्वारा बैच लगाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महोदया प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने नवनियुक्त छात्रों को सत्य, निष्ठा,कर्तव्यपरायणता एवं ईमानदारी पूर्वक स्कूल हित में कार्य करने की शपथ दिलाते हुए कहा कि स्कूल में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। बच्चे ही देश के भावी कणार्धार हैं। आशा है सभी छात्र अपनी प्रतिभा एवं कार्यशैली द्वारा विद्यालय का नाम रोशन करते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान देंगे।

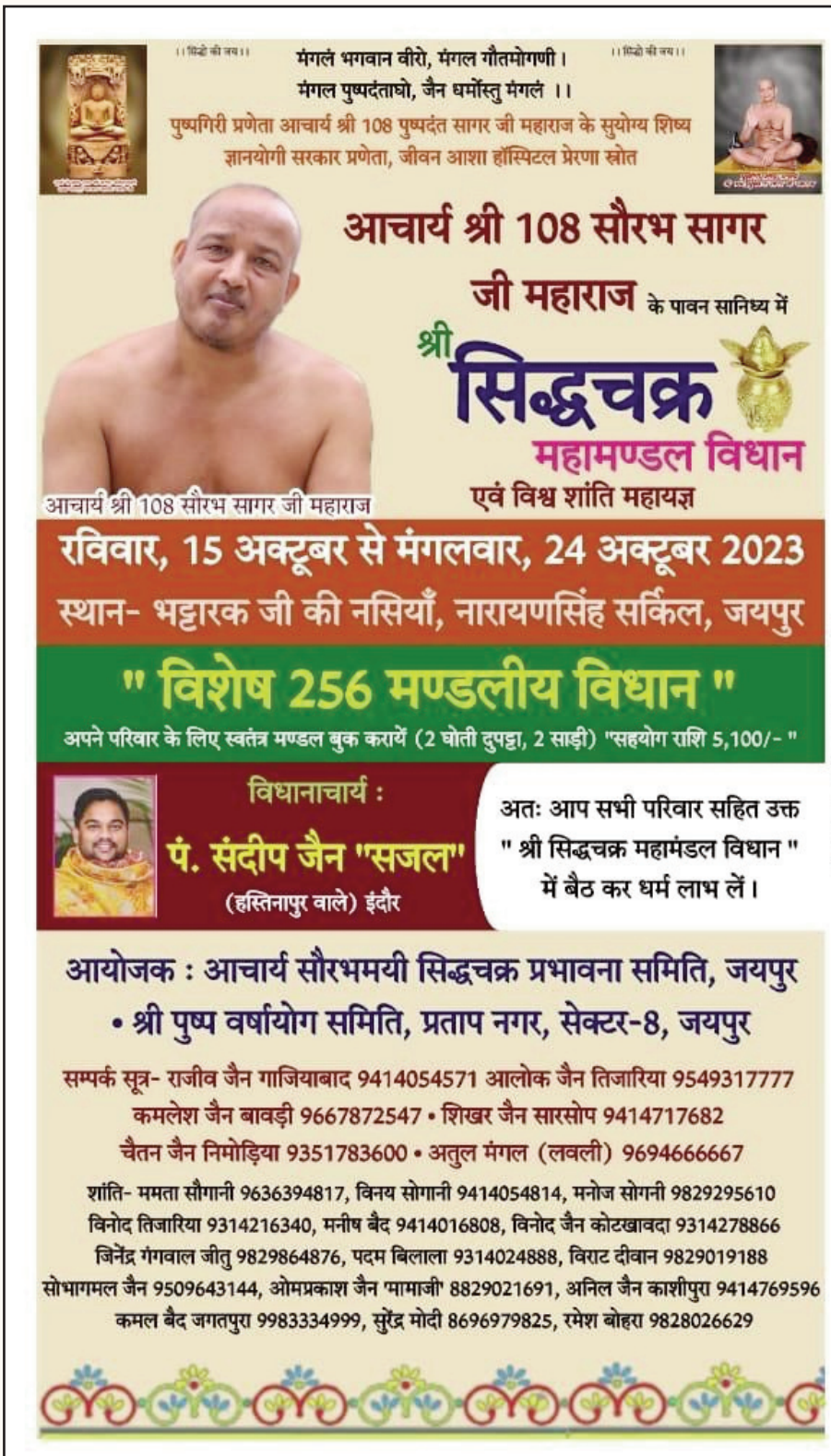

वेद ज्ञान

ईश्वर से किया निवदेन ही प्रार्थना

ईश्वर से किसी कामना की पूर्ति के लिए प्रगाढ़ विश्वास के साथ किया गया निवेदन प्रार्थना कहलाता है। इस प्रकार प्रार्थना धार्मिक भावना से अनुप्राणित हृदय की करुण पुकार है, जो ईश्वर से सीधा संबंध स्थापित कर हमारा मनोरथ पूर्ण करने में सहायक होती है। प्रार्थना के समय दोनों हाथ उठाकर अंगूठों को भौंहों के मध्य स्थित आज्ञाचक्र पर स्पर्श कराने और शीश को झुकाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का सृजन होता है और शरणागत भाव जाग्रत होता है। मुख्यतः प्रार्थना लौकिक सुख की कामना, आध्यात्मिक उन्नति अथवा सार्वजनिक कल्याण की भावना से की जाती है। महात्मा गांधी की दृष्टि में प्रार्थना आत्मा की आध्यात्मिक भूख है। प्रार्थना सार्वभौमिक है। यह व्यक्तिगत हो सकती है और सामूहिक भी। शब्दों द्वारा अभिव्यक्त हो सकती है और मौन भी। प्रार्थना हृदय की पुकार है और अनंत शक्ति का स्रोत भी। चिकित्सा के दौरान उपचार असफल रहने की निराशाजनक स्थिति में रोगी को दवा के साथ दुआ की भी आवश्यकता पड़ती है। इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव से आत्मबल में वृद्धि होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी। अनेक लोगों की ऐसी धारणा है कि जीवन की अधिकतर घटनाएं प्रारब्धजन्य हैं। प्रार्थना की सफलता व्यक्ति के आध्यात्मिक स्तर पर निर्भर है। प्रारब्ध की तीव्रता के सापेक्ष प्रार्थना के बलवती होने पर ही प्रार्थना फलीभूत होती है। एक विद्वान का सुझाव है-हमें प्रार्थना करते वक्त ईश्वर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि अपनी परेशानियों या मुसीबत पर। तन्मयतापूर्वक और बेसुध होकर भाव-प्रवाह में बहते हुए हृदय की गहराई से की गई प्रार्थना कभी बेकार नहीं जाती, परंतु आत्मसंयम की कमी, माता-पिता व गुरुजन के अनादर, किसी को क्षति पहुंचाने की नीयत या अतार्किक होने की दशा में प्रार्थना निष्फल हो जाती है। प्रभु के प्रेमी भक्तगण भगवान से सांसारिक सुख की भीख न मांगकर एकमात्र उनकी सहज कृपा की ही याचना करते हैं। भक्त प्रह्लाद ने भगवान से यही प्रार्थना की थी कि उनके हृदय में कभी कुछ मांगने की इच्छा ही न हो। विनय पत्रिका में गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं इस नश्वर जगत में कामनाओं की मृग-मरीचिका के पीछे भटकते जीवन बीत गया।

संपादकीय

अपराधियों को सजा दिलाने में कानूनी अड़चनें

विधि आयोग द्वारा पिछले सप्ताह सरकार को सौंपी गई रपट में यौन संबंधों के लिए सहमति उम्र के मसले पर आए सुझावों की व्यावहारिक अहमियत इस रूप में है कि आमतौर पर इसे तकनीकी प्रश्न के रूप में देखा जाता है, लेकिन संदर्भों के लिहाज से कई बार वह एक संवेदनशील स्थिति होती है। इसी तरह, आयोग ने चरणबद्ध तरीके से ई-एफआइआर का पंजीकरण शुरू करने की भी सिफारिश की है, जिसकी शुरूआत तीन साल की जेल की सजा वाले अपराधों से होगी। जहां तक पाक्सो अधिनियम का सवाल है, तो इसे बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिहाज से एक प्रगतिशील कदम के तौर पर देखा जाता है। इससे पहले बच्चों से होने वाले यौन दुर्व्यवहार के मामले में कानूनी जटिलताओं की वजह से कई बार अपराधियों को वाजिब सजा दिलाने में अड़चनें सामने आती थीं। लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद यौन हिंसा संबंधी अपराधों से बच्चों को संरक्षण और दोषियों को सजा दिलाने के

मामले में काफी प्रभावी नतीजे देखे गए हैं। हालांकि भारत में सामाजिक स्तर पर कई बार ऐसी स्थितियां देखी जाती रही हैं, जिनमें सोलह से अठारह वर्ष के किशोरों के बीच मौन स्वीकृति से बने यौन संबंधों को पाक्सो कानून के तहत अपराध के दायरे में देखा जाता है। इसलिए सहमति से यौन संबंधों की उम्र को अठारह वर्ष से कम करने की मांग भी उठती रही है। अब विधि आयोग ने सरकार को पाक्सो कानून के तहत सहमति की मौजूदा उम्र में कोई बदलाव न करने का सुझाव दिया है। साथ ही आयोग ने सोलह से अठारह वर्ष के बीच के किशोरों की परस्पर सहमति से बने संबंधों से जुड़े मामलों में सजा सुनाने के संदर्भ में निर्देशित न्यायिक विवेक का उपयोग करने की सलाह दी है। भारत में कानूनी स्तर पर तय उम्र से पहले यानी नाबालिगों के विवाह या सामाजिक जीवन से जुड़ी अन्य स्थितियों के मद्देनजर कई बार सहमति से बने यौन संबंधों को अपराध के वर्ग में रखने को लेकर सवाल उठाया जाता है। मगर इस पर विधि आयोग की चिंता वाजिब है कि अगर इस मामले में उम्र में छूट दी गई तो न केवल बाल दुर्व्यवहार और बाल विवाहों, बल्कि बाल तस्करी के खिलाफ भी लड़ाई पर इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। गौरतलब है कि बाल तस्करी के मामलों में सजा की दर पहले ही काफी कम रही है। समाज में प्रचलित मान्यताओं या कायदों के समांतर कानूनी कसौटियों को लेकर अक्सर बहस होती रही है। कई बार यह किसी जोखिम वाले सामाजिक तबके के हक में बने कानूनों और जमीनी स्थितियों के बीच खींचतान के रूप में भी विवाद का विषय बनता है। ऐसे में जोखिम वाले तबके के रूप में बच्चों और किशोरों को चिह्नित करके उनके संरक्षण या हित में बने कानून को उसके वास्तविक संदर्भों में ही देखा जाना चाहिए। इसके अलावा, किसी वारदात के बाद पीड़ित की ओर से पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी और उसमें टालमटोल के मामले छिपे नहीं रहे हैं। इसकी वजह से कई बार अपराधियों को उचित सजा नहीं मिल पाती है। इसके मद्देनजर विधि आयोग ने चरणबद्ध तरीके से ई-एफआइआर का पंजीकरण करने की सिफारिश की है, ताकि नागरिक वास्तविक समय में अपराध की सूचना पुलिस महकमे को दे सकें। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

विरोध की आवाज

अपने हक के लिए आवाज उठाना हर नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। मगर इसका तरीका भी लोकतांत्रिक होना चाहिए। अपने हक की आवाज उठाने से अगर किसी की निजता में खलल पड़ता है, तो उस पर अंगुली उठना स्वाभाविक है। पंजाब में किसान आंदोलन की वजह से जिस तरह रेल सेवाएं बाधित हुईं और मुसाफिरों को नाहक परेशानी उठानी पड़ी, उससे एक बार फिर आंदोलन के तरीके को लेकर सवाल उठे हैं। पंजाब और हरियाणा के किसान बाढ़ और बारिश की वजह से फसलों को हुए नुकसान के माकूल मुआवजे, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने और कर्ज माफी की मांग लेकर आंदोलन पर उतरे थे। हालांकि उन्होंने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी कि अगर सरकारें उनकी मांगें नहीं मानेंगी, तो वे तीन दिन का रेल रोको आंदोलन करेंगे। मगर शायद रेलवे ने उनकी इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया और जब किसान रेल की पटरियों पर बैठ गए, तब गाड़ियों का रास्ता बदला गया, कई गाड़ियां रद्द कर दी गईं। इससे हजारों लोगों को तीन दिन तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक दिक्कतें लोगों को कटरा और जम्मू में पेश आईं। किस तरह लोगों ने रेलवे स्टेशनों पर बैठ कर रातें गुजारीं, किस तरह बहुत सारे लोगों को अपने कई जरूरी काम छोड़ने पड़े, उसके ब्योरे सामने आ रहे हैं। यह पहली बार नहीं है, जब किसान बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे, फसलों की वाजिब कीमत और कर्जमाफी वगैरह को लेकर आंदोलन पर उतरे और इस तरह यातायात बाधित किया। चंडीगढ़ से दिल्ली को जोड़ने वाले राजमार्ग को कई बार बाधित किया जा चुका है, इस बार भी लोगों को घंटों सड़कों पर रुके रहना पड़ा। किसानों की मांगों को अनुचित नहीं कहा जा सकता, हालांकि सरकारों के लिए उन्हें पूरा करने में कई तरह की अड़चनें पेश आ सकती हैं। मगर इसका मतलब यह नहीं कि उनकी बात सुनी ही न जाए। अगर सरकार उनसे बातचीत करके बीच का कोई रास्ता निकालने का प्रयास करती, तो शायद बार-बार इस तरह किसानों को कठोर कदम न उठाने पड़ते। पंजाब और हरियाणा में किसानों के संगठन ताकतवर और सक्रिय हैं, इसलिए वे सरकारों पर दबाव बनाने की स्थिति में आ जाते हैं। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का कानून बनाने पर उसी समय सहमति बन गई थी, जब तीन कृषि कानूनों को समाप्त करने की घोषणा हुई थी। मगर अभी तक उस दिशा में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया जा सका है, इसलिए किसान हर नई मांग के साथ उस मांग को नत्थी कर देते हैं। दरअसल, तीन कृषि कानूनों के खिलाफ खड़ा हुआ आंदोलन इस घोषणा के साथ समाप्त हुआ था कि अगर न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून नहीं बनता है, तो किसान फिर से आंदोलन पर लौट आएंगे। इस तरह रेल रोको आंदोलन के जरिए किसानों ने यह भी संदेश देने की कोशिश की कि सरकार को जल्दी इस दिशा में गंभीरता दिखानी चाहिए।

डायबिटीज और हाइपरटेंशन है?

यानी दातून करना भूल चुके हो...तो वापसी कीजिये...

सन 1990 से पहले कितने लोगों को डायबिटीज होता था? कितने लोग हाइपरटेंशन से त्रस्त थे? नब्बे के दशक के साथ हर घर में एक डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का रोगी आ गया, क्यों? बहुत सारी वजहें होंगी, जिनमें हमारे खानपान में बदलाव को सबसे खास माना जा सकता है।

बदलाव के उस दौर में एक चीज बहुत खास थो जो खो गयी, पता है ना क्या है वो? दातून गाँव देहात में आज भी लोग दातून इस्तमाल करते दिख जाएंगे लेकिन शहरों में दातून पिछड़ेपन का संकेत बन चुका है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

गाँव देहात में डायबिटीज और हाइपरटेंशन के रोगी यदा कदा ही दिखेंगे या ना के बराबर ही होंगे। वजह साफ है, ज्यादातर लोग आज भी दातून करते हैं। तो भई, डायबिटीज और हाइ ब्लड प्रेशर के साथ दातून का क्या संबंध, यही सोच रहे हो ना?..तो आज आपका दिमाग हिल जाएगा..और फिर सोचिएगा, हमने क्या खोया, क्या पाया? ये जो बाजार में टूथपेस्ट और माउथवॉश आ रहे हैं ना, 99.9% सूक्ष्मजीवों का नाश करने का दावा करने वाले, उन्हीं ने सारा बंटाधार कर दिया है। ये माउथवॉश और टूथपेस्ट बेहद स्ट्रॉंग एंटीमाइक्रोबियल होते हैं और हमारे मुंह के 99% से ज्यदा सूक्ष्मजीवों को वाकई मार गिराते हैं। इनकी मारक क्षमता इतनी जबर्दस्त होती है कि ये मुंह के उन बैक्टिरिया का भी खात्मा कर देते हैं, जो हमारी लार (सलाइवा) में होते हैं और ये वही बैक्टिरिया हैं जो हमारे शरीर के नाइट्रेट (NO3-) को नाइट्राइट (NO2-) और बाद में नाइट्रिक ऑक्साइड (NO) में बदलने में मदद करते हैं। जैसे ही हमारे शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी होती है, ब्लड प्रेशर बढ़ता है। ये मैं नहीं कह रहा, दुनियाभर की रिसर्च स्ट्डीज बताती हैं कि नाइट्रिक ऑक्साइड का कम होना ब्लड प्रेशर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल हायपरेटेंस (2004) में 'नाइट्रिक ऑक्साइड इन हाइपरटेंशन' टाइटल के साथ छपे एक रिव्यु आर्टिकल में सारी जानकारी विस्तार से छपी है और नाइट्रिक ऑक्साइड की यही कमी इंसुलिन रेसिस्टेंस के लिए भी जिम्मेदार है।

समझ आया खेल?

नाइट्रिक ऑक्साइड कैसे बढ़ेगा जब इसे बनाने वाले बैक्टिरिया का ही काम तमाम कर दिया जा रहा है? ब्रिटिश डेंटल जर्नल में 2018 में तो बाकायदा एक स्टडी छपी थी जिसका टाइटल ही ''माउथवॉश यूज और रिस्क ऑफ डायबिटीज'' था। इस स्टडी में बाकायदा तीन साल तक उन लोगों पर अध्धयन किया गया जो दिन में कम से कम 2 बार माउथवॉश का इस्तमाल करते थे और पाया गया कि 50% से ज्यादा लोगों को प्री-डायबिटिक या डायबिटीज की कंडिशन का सामना करना पड़ा। अब बताओ करना क्या है? कितना माउथवॉश यूज करेंगे? कितने टूथपेस्ट लाएंगे सूक्ष्मजीवों को मार गिराने वाले? दांतों की फिक्र करने के चक्कर में आपके पूरे शरीर की बैंड बज रही है। गाँव देहातों में तो दातून का भरपूर इस्तेमाल हो रहा है और ये दातून मुंह की दुर्गंध भी दूर कर देते हैं और सारे बैक्टिरिया का खात्मा भी नहीं करते। मेरे #पातालकोट में तो आदिवासी टूथपेस्ट, टूथब्रश क्या होते हैं, जानते तक नहीं। अब आप सोचेंगे कि #दीपकआचार्य ने टूथपेस्ट और माउथवॉश को लेकर इतनी पंचायत कर ली तो दातून के प्रभाव को लेकर किसी क्लिनिकल स्टडी की बात क्यों नही की? तो भई, अब दातून से जुड़ी स्टडी की भी बात हो जाए। बबूल और नीम की दातून को लेकर एक क्लिनिकल स्टडी जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च में छपी और बताया गया कि स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटेंस की वृद्धि रोकने में ये दोनों जबर्दस्त तरीके से कारगर हैं। ये वही बैक्टिरिया है जो दांतों को सड़ाता है और कैविटी का कारण भी बनता है। वो सूक्ष्मजीव जो नाइट्रिक ऑक्साइड बनाते हैं जैसे एक्टिनोमायसिटीज, निसेरिया, शालिया, वीलोनेला आदि दातून के शिकार नहीं होते क्योंकि इनमें वो हार्ड केमिकल कंपाउंड नहीं होते जो माउथवॉश और टूथपेस्ट में डाले जाते हैं। चलते-चलते एक बात और बता दूं, आदिवासी दांतों पर दातून घुमाने के बाद एकाध बार थूकते है, बाद में दांतों पर दातून की घिसाई तो करते हैं और लार को निगलते जाते हैं? लिंक समझ आया? लार में ही तो असल खेल है। ये हिंदुस्तान का ठेठ देसी ज्ञान है बाबू ज्यादा पंचायत नहीं करुंगा, मुद्दे की बात ये है कि वापसी करो, थोड़ा #भटको और चले आओ दातून की तरफ..कसम से।

बासी पानी जे पिये, ते नित हर्रा खाय।
मोटी दतुअन जे करे, ते घर बैद न जाय।।

48 दिवसीय भक्तामर पाठ राष्ट्रीय दिवस 2 अक्टूबर को महार्चना के साथ संपन्न

अहिंसा दिवस पर विश्व शांति की मंगल भावना के साथ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म, जयपुर में राष्ट्रीय दिवस 15 अगस्त से चल रहे 48 दिवसीय भक्तामर पाठ का राष्ट्रीय अहिंसा दिवस 2 अक्टूबर को प्रातः 9:30 बजे से महार्चना, भक्तामर विधान पूजायें पंडित अमित शास्त्री जैन संस्कृत कॉलेज के निर्देशन में भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक अनीता बडजात्या, ज्योति जैन, डॉ अनीता वैद, विमला जैन ने विधान मंडल पर मंगल कलश की स्थापना की और मंडल पर दीप प्रज्जवलन अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने किया। कार्यक्रम संयोजक अनीता बडजात्या ने अवगत कराया की 48 दिवसीय भक्तामर पाठ का छठा वर्ष है इस वर्ष राष्ट्रीय दिवस 15 अगस्त को शुभारंभ किया जिसका समापन 2 अक्टूबर अहिंसा दिवस पर विश्व शांति की भावना के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा ,उपाध्यक्ष अरुण शाह ने दीप अराधना की। अरुण शाह ने उक्त आयोजन की संयोजिकाओं को स्वागत करते हुए धर्म प्रवाहना की सराहना की। 48 दिवसीय भक्तामर पाठ के पुण्यार्जक परिवार नीलम ठोलिया, बसंत बाकलीवाल संतोष जी बास्खो वाले, सारसमल झांझरी,लता सोगानी , सुनील सोगानी ,विमला पापड़ीवाल के साथ सैकड़ो भक्त गणों ने भक्तामर विधान पूजा की एवं दीप अर्चना की। इस अवसर पर वरिष्ठ एडवोकेट विमल बाकलीवाल, कमल मालपुरा वाले, सुरेश रघुविहार, पृथ्वीराज सोगानी, माणकचंद शाह, पारस जैन गायत्री नगर, रिखब पांडया, भूपेंद्र लुहाडिया, पुष्पेंद्र जैन पृथ्वीराज धूपचंद शाह, अशोक बिलाला, एम.एल. जैन, राकेश छाबड़ा, महावीर सोनी, दौलतजी छाबडा, निर्मल जी सेठी आदि श्रेष्ठिगणों के साथ पुरुष -महिला छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे। उदयभान जैन ने सभी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वालों को धन्यवाद ,साधुवाद व आभार व्यक्त किया।

जज वकीलों ने कोर्ट में दी सफाई, दिया स्वच्छता का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

गांधी जयंती के पूर्व दिवस पर स्वस्च्छता अभियान के तहत आज सांगानेर स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमावत के नेतृत्त्व में वकीलों ने सफाई अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बार अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन एडवोकेट व महासचिव नेमीचंद सामरिया व अन्य वकीलों ने श्रमदान करते हुए न्यायालय परिसर में 2 घंटे सफाई की एवम गंदगी व कचरे को साफ किया। कार्यक्रम में बार के पूर्व अध्यक्ष विजय मामनानी, एम इस्लाम, हंसराज भहरवाल पूर्व महासचिव जेपी शर्मा, विनोद कुमार सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहें। लोगो ने न्यायालय परिसर को स्वच्छ रखने की शपथ ली।

भोज्याडा चाकसू निवासी महावीर सुरेन्द्र जैन एडवोकेट समन्वयक नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी के निदेर्शानुसार चुनाव विभाग सम्पर्क विभाग के प्रदेश संयोजक सुरेन्द्र सिंह नरुका सहसंयोजक सतीश शर्मा व संभाग प्रभारी सुरेश मानका द्वारा चुनाव आयोग संपर्क विभाग का सांगानेर बार एसोसिएशन अध्यक्ष महावीर सुरेन्द्र जैन एडवोकेट को राजसमंद जिला समन्वयक नियुक्त किया है। विभाग द्वारा 10 जिलों में समन्वयक बनाये गए है। महावीर सुरेन्द्र जैन एडवोकेट ने प्रदेश नेतृत्व व प्रदेश संयोजक सुरेन्द्र सिंह व संभाग प्रभारी सुरेश मानका का हार्दिक आभार प्रकट किया ।

गोवंश को चारा खिलाकर जन्मदिन मनाया

अमित गोधा। शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्यों की श्रंखला में महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र के तत्वावधानमें वीर विकास बंसल के मातुश्री श्रीमती विमला बंसल धर्मपत्नी राजेंद्र बंसल सर्राफ के जन्म दिवस की उपलक्ष में दिनांक 3 अक्टूबर 2023 मंगलवार सुबह 8.00 बजे गायों को गौशाला में चारा एवं गुड़ गौ सेवा का आनंद लिया गया। श्री वन्दे गौ मातरम् चैरिटेबल ट्रस्ट जीव सेवा सर्व सेवा चिकित्सालय, अजमेर रोड, ब्यावर गौ माता की सेवा की गई। कार्यक्रम में वीर विकास बंसल, वीर अनुपम रूणीवाल, वीर राजेश रांका, वीर राजेश मंत्री, वीर त्रिलोक अग्रवाल, वीर अनुज सिंघल, वीर पुलकित सिंघल, वीर सुनील जिंदल, वीर जे पी शर्मा, हलवाई वीर योगेश बंसल, वीर योगेश सर्राफ, वीर अमित बंसल, वीर राजकुमार गोयल, वीर निखिल माहेश्वरी, वीर राजेश मुरारका, वीरा रेखा मुरारका, वीरा समीक्षा बंसल, वीरा पूजा बंसल, अजय बंसल आदि वीर एवं वीरा सदस्य उपस्थित थे। गौ शाला के कमलनारायण अग्रवाल, विवेक कुमावत ने भी सहयोग प्रदान किया। संपूर्ण कार्यक्रम के लाभार्थी सहयोगी वीर विकास बंसल रहे। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल मेंबर वीर राजेश रांका ने बताया कि बड़े ही पुण्य के योग से गौ सेवा करने का मौका मिलता है, हमें इसका अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात अल्पाहार की व्यवस्था भी रखी गई। गौशाला के द्वारा मोमेंटो से सम्मान किया गया। वरिष्ठ सलाहकार वीर अनुपम रूणीवाल ने सभी का धन्यवाद आभार व्यक्त किया।

महावीर जी की 37 वीं पदयात्रा के बैनर पोस्टर का जयकारों से हुआ विमोचन

10 अक्टूबर को खानियां स्थित संघीजी की नसियां जयपुर से रवाना होगी पदयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर द्वारा आयोजित होने वाली जयपुर से श्री महावीर जी की 37 वीं पदयात्रा के बहुरंगीय बैनर एवं पोस्टर का जयकारों के बीच विमोचन किया गया। संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा के संयोजक सुशील जैन के नेतृत्व में श्री दिगंबर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से श्री महावीर जी की 10 अक्टूबर को जाने वाली पदयात्रा के बहुरंगीय पोस्टर के विमोचन के मौके पर पूर्व संयोजक सूर्य प्रकाश छाबड़ा, विनोद जैन ''कोटखावदा'', राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, राज कुमार बड़जात्या, जिनेन्द्र जैन सहित समाजश्रेष्ठी सुधान्शु जैन, कमल बाबू जैन, धर्म चन्द पहाड़ियां, यशकमल अजमेरा, पार्षद पारस पाटनी, राजा बाबू गोधा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। पद यात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि पदयात्रा मंगलवार 10 अक्टूबर को आगरा रोड पर खानिया स्थित संगही जी की नसिया से दोपहर 3.00 बजे प्रस्थान करेगी। पदयात्रा मार्ग में धार्मिक आयोजन किये जायेंगे। पदयात्रा में महिलाएं भी शामिल होगी। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि पदयात्रा 11 अक्टूबर को मोहनपुरा, 12 को दौसा, 13को सिकन्दरा, 14को गुढ़ाचंद्रजी, नादौती होते हुए रविवार, 15 अक्टूबर को श्री महावीर जी पहुंचेगी। जहां विशाल जूलूस के साथ पदयात्री भगवान महावीर के सामूहिक दर्शन करेंगे। प्रातः 11.15 बजे शान्ति विधान पूजा होगी। दोपहर 2.00 बजे पदयात्री सम्मान समारोह होगा। सायंकाल महाआरती एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। संयोजक सुशील जैन ने बताया कि पदयात्रा समापन पर श्री महावीरजी से जयपुर आने के लिए संघ की ओर से बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। श्री जैन के मुताबिक संयोजक सुशील जैन ने बताया कि पदयात्रा के लिए संघ की ओर से जयपुर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों सहित आसपास के गांवों -कस्बों में लगातार जनसम्पर्क किया जा रहा है।

वार्षिक उत्सव समारोह में कलशाभिषेक का हुआ आयोजन

प्रकृति की व्यवस्था को प्रेम से स्वीकारें : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गूंशी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी में विराजित भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में वार्षिक उत्सव मनाया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ एवं नेमीनाथ भगवान के विशेष कलशाभिषेक करके शांतिधारा की। इस दौरान विज्ञाश्री माताजी के मंत्रोच्चार से चोबिस भगवान की पूजा अर्चना कर श्री फल अर्ध्य समर्पित किए गए जिसमें महावीर प्रसाद पराणा विमल जौंला सुनील भाणजा विमल सोगानी राजेश बनेठा को सौभाग्य मिला। इस दौरान शिखरचंद सिरस विष्णु बोहरा महेश जैन, महेंद्र चंवरिया, हितेश छाबड़ा, मनोज पाटनी सहित कई लोग मौजूद थे। इस अवसर पर विज्ञाश्री माताजी ने भक्तों को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - महान दार्शनिक सुकरात 70 वर्ष की उम्र में भी मानव जाति के समक्ष अपने दर्शन का प्ररूपण किया करते थे । मन का युवा होना जरूरी है । मन डूबा तो नाव डूबी । जो लोग बुढ़ापे को कारागार समझते हैं उनसे मैं कहना चाहती हूँ कि वे बुढ़ापे को जीवन का स्वर्ण शिखर समझें प्रकृति की व्यवस्था के अनुसार जिनका जन्म हुआ है, उन्हें मृत्यु के द्वार से गुजरना ही पड़ता है जो फूल खिलता है, उसे मुरझाना भी पड़ता है । अगर व्यक्ति प्रकृति की इस व्यवस्था को प्रेम से स्वीकार कर ले तो उसके जीवन की आपाधापी खुद समाप्त हो जाये।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मीरा मार्ग मानसरोवर में होने जा रहा भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग मानसरोवर में दिनांक 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक श्री सर्वतोभद्र महामंडल विधान का आयोजन तीन मुनिराजो के सानिध्य में होने जा रहा है। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने बताया कि यह विधान जयपुर में लगभग 30 वर्ष पश्चात होने जा रहा है इससे पूर्व यह विधान आचार्य श्री कुंथु सागर जी महाराज ने करवाया था। विराजित मुनिश्री108 जिनानंद जी महाराज ने बताया कि यह विधान तीन लोक के समस्त नव देवताओं की पूजा है। जिसमें 84 पूजाएं हैं जो अपने आप में स्वतंत्र हैं। जैसे पांच भरत, पांच एरावत, संबंधी तीस चौबीसी के 720 प्रत्येक तीर्थंकर कहां-कहां हुए उनके नाम सहित क्षेत्र सहित पूजा। ऊर्ध्व लोक, मध्य लोक, पाताल लोक के समस्त जिनालियों के क्षेत्रवार पूजा। तीन लोक के समस्त अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्यायों, सर्व साधु जिन धर्म जिनालय,जिनागम, जिनबिंबो की बहुत ही विस्तृत जानकारी के साथ यह विधान है जिसमें भक्ति के साथ-साथ स्वाध्याय भी है। इस विधान में बैठने के लिए लोगों में भारी उत्साह है। विधान के सभी प्रमुख पात्र एवं ध्वजारोहण कर्ता के नाम निश्चित हो गए हैं। विधान में लगभग 700 से अधिक पूजनार्थियों की व्यवस्था बैठने की व्यवस्था की गई है। अभी तक काफी नाम आ चुके हैं। स्थान सीमित है यदि आपका इस विधान में बैठने का मन हो तो शीघ्र ही कूपन प्राप्त कर लें। आसपास के सभी मंदिरों मे समिति के माध्यम से कूपन प्राप्त कर सकते हैं । समिति के मंत्री राजेंद्र सेठी ने बताया कि इस विधान के विधानाचार्य श्री विजय भैया लखनादौन होंगे जिन्होंने पूर्व में भी जयपुर में कई विधान करवाए हैं। मंत्री ने बताया कि इस विधान की तैयारी पूरे जोर-जोर से चल रही है जो कि लगभग पूर्ण हो चुकी है।

जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा कल सांकेतिक रूप से बंद का एलान

जयपुर. शाबाश इंडिया। 30 सितंबर को कतिपयअसामाजिक तत्वों द्वारा जबरदस्ती बाजार बंद करवाने, दुकानों पर लुटपाट, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने जेसी अमानवीय घटनाओं पर रविवार को जयपुर व्यापार महासंघ की अत्यावश्यक मिटिंग में पदाधिकारीयो में गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस संबंध में घटना में संलिप्त असामाजिक तत्वों पर अविलंब कार्रवाई करने हेतु जयपुर महासंघ का शिष्टमंडल सोमवार को नार्थ डीसीपी राशी जी डोगरा व अन्य पुलिस अधिकारीयो से माणक चौक थाना पर मिला व घटना मे संलिप्त दोषियों को गिरफ़्तार करने व व्यापारीयो को सुरक्षा मुहैया करवाने की माँग की व मंगलवार को पुलिस कमिश्नर बिजू जार्ज जोसफ व अन्य पुलिस अधिकारीयो से मिला। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ,महामंत्री सुरेन्द्र बज,कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडीया वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सेनी,कोषाध्यक्ष सोभागमल अग्रवाल संरक्षक विरेन्द कुमार राणा,प्रमुख सलाहकार हुकम चन्द अग्रवाल,राजेन्द्र कुमार गुप्ता ने प्रशासन द्वारा दोषी असामाजिक व गुण्डा तत्वों पर अविलंब कार्रवाई करने की चेतावनी देने हेतु जयपुर व्यापार महासंघ दिनांक 4 अक्टूबर बुधवार को जिसमें जयपुर के सभी छोटे से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान शामिल हैं को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक सांकेतिक रूप से बंद का आव्हान कर प्रशासन को इन कतिपय असामाजिक तत्वों जिन्होंने बिना वजह कानून को हाथ में लेकर जयपुर के व्यापार जगत को बंदी बनाया व जयपुर की कानून व्यवस्था को बदनाम किया,सैकड़ों करोड़ के व्यापार का नुकसान किया इन पर कार्रवाई करने की माँग करता है व भविष्य में इस तरह का दुस्साहस न हो इसकी प्रशासन पुख़्ता कार्रवाई करे।

चैन्नई पधारे पदाधिकारियों ने साध्वी प्रितीसुधा आदि ठाणा के आगामी चैन्नई मे चातुर्मास की विनती

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सत्य ही शास्वत है,और भगवान भी है। मंगलवार अहिंसा भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती प्रितीसुधा ने श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में सत्य का समावेश हो जाऐ तो वह अपनी आत्मा का कल्याण करवा सकता है और जीवन मे सुंगध भर सकता है।सत्य के बिना संसार मे कुछ भी नहीं है। जहां सत्य है,वहां ज्ञान है,जहाँ सत्य नहीं,वहा ज्ञान भी नहीं होगा। सत्य के बिना जीवन में किसी भी सिद्धांत या नियम का पालन करना असंभव है।क्योंकि सत्य ही शास्वत है,और सत्य ही भगवान है। लेकिन मनुष्य सत्य को जानता है,परन्तु फिर भी स्वीकारता नहीं है।और अज्ञान मे जीवन को व्यर्थ गवां देता है। सत्य को झूठ लाया और संसार से मिटाया नहीं जा सकता है। महासती उमराव कंवर ने साध्वी संयम सुधा को अठारह उपवास के प्रत्याख्यान करवातें हुए कहा कि जो लोग सत्य की राह पर चलते है। उनकी जीत का परमात्मा स्वंय शंखनाद करता है और उन्हें भगवान हारने भी नहीं देता है। इसदौरान धर्मप्रभा मे अप्रवासी मारवाड़ खवासपुरा जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष प्रसन्न चन्द कोठारी महामंत्री जे.विजयराज कोठारी,सागरमल कोठारी तथा मिश्रीरूप सुकन जैन महिला की अध्यक्षा सुशीला कोठारी,लीला कोठारी,चंचल कोठारी आदि सभी ने अहिंसा भवन शास्त्री नगर के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल अशोक पोखरना हेमन्त आंचलिया,कूशलसिंह बूलिया,जतन जैन,संदीप छाजेड़ तथा चंदन बाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,रजनी सिंघवी,मंजू पोखरना,कमला चौधरी,उमा आंचलिया,मंजू बापना सुनीता झामड़, वनीता बाबेल की उपस्थिति एवं सैकड़ों श्रध्दांलूओ की मौजूदगी मे चैन्नई से पधारे पदाधिकारियों ने साध्वी प्रितीसुधा आदि ठाणा के चैन्नई मे चातुर्मास करने जोरदार शब्दों मे विनती रखी।

संस्कार को संस्कृति में बदल देना ही दीक्षा है ये स्मृति में बने रहना चाहिएः मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

लोकोदय तीर्थ कि भव्य आधार शिला रखी जायेगी आगरा में

आगरा. शाबाश इंडिया

आज पता चला कि बार बार मन्दिर आने को क्या कहा जाता है आज पता चला कि मुनि राज दीक्षा दिवस को यादकर क्यों मनाने का भाव करते है जो दीक्षा थी वह संस्कार था संस्कार को संस्कृति में बदलने का नाम ही दीक्षा दिवस है दीक्षा संस्कार है दीक्षा दिवस संस्कृति का रूप ले लेती है दीक्षा के समय संस्कार होते हैं साधु दीक्षा के संस्कार लेकर मंच से ऊपर ता है तव कुछ अलग था और दीक्षा लेकर उतारता है तो संस्कृति वनाने के लिए हमारा हर कदम होता है जब भी तुम्हारे लिए कुछ भी अच्छा मिले तो उसे संस्कृति वना देना उक्त आश्य केउद्गार हरि पर्वत आगरा में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए इस दौरान कमेटी की ओर से नवीन तीर्थ के लिए कमेटी अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी कोषाध्यक्ष निर्मल मोठया सहित कमेटी ने श्री फल भेंट किए। संस्कार एक बार मिलता है और संस्कृति जन्म जन्म के लिए वनती है। उन्होंने कहा कि संस्कार एक बार मिलतीं है और संस्कृति जन्म जन्म के लिए वनती चलीं जाती है संस्कार को संस्कृति वनाने के लिए ही तो भारतीय मनीषी अपने जीवन को लगा देते हैं कल्याण संस्कार से नहीं होगा कल्याण संस्कृति कृति से होगा जो संस्कार तुम्हारे लिए मिला है उसे संस्कृति वनाकर पालन करने से

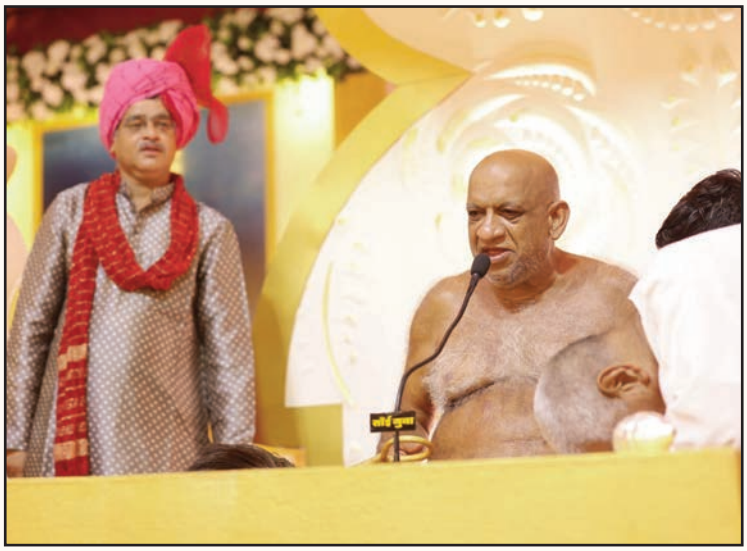

जीवन धन्य हो जायेगा। दीक्षा देते समय एक बार पिच्छिका देकर संस्कार गुरु ने दिया आपको संस्कृति वनना है वार वार स्मृति वनाने के लिए मन्दिर भेजा था। किसी भी कार्य में आपको आनंद आया है कि नहीं वह निर्णय करेगा कल का दिन आपका कैसा रहा निर्णय आपको लेना है जव आपको अच्छा लगने लगें तव समझ लेना की आप सफल रहे आपने जो चाहा वह मिल गया। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि दीक्षा दिवस के दिन शाम को एक इतिहास आगरा में लिखा गया और इस दौरान मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि आगरा तीर्थ के नाम से प्रसिद्ध होगा ये भक्तो के उद्धार के लिए वनाया जा रहा है यहां एक मंदिर एकपरिवार बनाएगा नाम होगा लोकोदय तीर्थ मतलब लोक के कल्याण की भावना से परिपूर्ण ये सबसे बड़ा तीर्थ, इस तीर्थ में बहुत मंदिर बनेंगे, एक परिवार एक मंदिर बनाएगा, चन्दा चिठा से नहीं वनेगा एक एक मन्दिर का एक एक पुण्यर्जक समाने आये चौबीस की स्थापना की भूमिका बनी। अंतर्राष्टीय लोकोदय तीर्थ बनेगा आगरा में दीक्षा दिवस जिज्ञासा समाधान के दौरान ताज नगरी आगरा में भव्य विशाल जिन मन्दिर के साथ ही नवीन तीर्थ स्थापना का निवेदन समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी महामंत्री नीरज जैन जिनवाणी कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मोठया कार्यअध्यक्ष पी एल वैनारा हीरा लाल वैनारा जगदीश जैन संयोजक मनोज जैन आदि ने मुनि श्री को श्री फल कर निवेदन किया इस दौरान मूल नायक बड़ा मंदिर बनाने की जिम्मेदारी श्रावक संस्कार शिविर के पुण्यर्जक

परिवार निर्मल कुमार रौनक कुमार रजत कुमार मोठ्या परिवार आगरा ने ये सौभाग्य परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया इस दौरान कमेटी पदाधिकारियों सहित शिविर निर्देशक हुकम काका श्रमण संस्कृति संस्थान कार्यध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा सुमन घगरा विनोद मोदी एस के जैन गुना सहित अन्य प्रमुख जनो ने साल श्री फल स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि तुम दुनिया के बल पर मत जाइय भटक जाने पर दुनिया का भरोसा मत करो अपने बल पर अपना रास्ता चुने हम जंगल में अर्धरात्रि में कमांडर घोषणा करता है हम घने जंगल मे भटक चुके हैं आप सब अपने दम पर अपने प्राणों से ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं अपना देश अपना कुल जाति और अंत में अपना परिवार सबसे पहले हमें अपने देश की सुरक्षा उसके प्रति अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

48 दीपों से संघी जी मंदिर सांगानेर में हुआ भव्य भक्तामर स्त्रोत्र अनुष्ठान

सन्मति ग्रुप एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा रीजन के तत्वावधान में किया भक्तिमय आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवम आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में भव्य भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान व क्षमावाणी समारोह का आयोजन सोमवार, 2 अक्टूबर को रात्रि 7.30 बजे से श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर में किया गया। रीजन अध्यक्ष राजेश-सीमा बड़जात्या व सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि मंडल पर 48 चांदी के दीपकों से प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल व श्रीमती समता गोदिका के द्वारा संगीत की स्वर लहरियां के साथ भव्य रूप में यह अनुष्ठान संपन्न कराया गया। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल के अनुसार देर रात्रि तक चले इस समारोह का विधिवत शुभारंभ मंडल पर प्रथम दीप प्रज्वलन कर श्रावक श्रेष्ठि गण पदम चंद - कमला, टीकम-

मीनाक्षी, पंकज- नीलम जैन , आदि, काव्या, अनीशा, निक सेठी परिवार सुल्तानिया वालो ने सामूहिक रूप से किया। सन्मति ग्रुप कार्याध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या व सचिव अनिल - निशा संघी के अनुसार समारोह के सयोजक कमल - मंजू ठोलिया, नितेश - मीनू पांड्या व सुनील - रेणु बाकलीवाल थे। सन्मति ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि अतिथियों के स्वागत के पश्चात मंडल पर प्रथम दीप प्रज्वलित पदम चंद - कमला देवी सेठी परिवार के द्वारा किया गया उसके पश्चात बारी बारी से उपस्थित सभी श्रावक श्रेष्ठियो ने मंडल पर एक एक दीप प्रज्वलित कर भगवान आदिनाथ की स्तुति की। समारोह में श्री दिगंबर जैन मंदिर संघी जी प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष महावीर बज, प्रभारी नरेंद्र बज, सुरेंद्र बज के साथ साथ राजस्थान जैन सभा के कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा , युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद - दीपिका कोटखावदा, रीजन संयोजक

सुरेंद्र मोदी,नवकार ग्रुप के अध्यक्ष मोहन लाल गंगवाल, संगिनी फॉरेवर की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला - महावीर बिंदायका, सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष महावीर बोहरा , पिंक पर्ल के मनीष सोगानी, प्रकाश लुहाडीया, आदि अनेक गण मान्य श्रेष्ठि महानुभावों ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आदिनाथ मंडल के कोषाध्यक्ष मुकेश जैन के अनुसार समारोह के समापन पर सामूहिक क्षमापना के पश्चात अल्पाहार के साथ साथ खोपरा मिश्री की व्यवस्था भी की गई थी। अंत में रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया विशेष रूप से प्रबंध कार्यकारिणी समिति मंदिर जी संघी जी, गायक अशोक - अनिला गंगवाल व श्रीमति समता गोदिका तथा श्रेष्ठि पदम चंद - कमला देवी सेठी परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड़-जयपुर (राज.)

मांगलिक कार्यक्रम

शनिवार, 7 अक्टूबर 2023

प्रातः 11.00 बजे - चतुर्विंशति जिनपूजा
सायं 6.30 बजे - साजों से महा आरती
रात्रि 8.00 बजे - भक्ति सन्ध्या प्रस्तुति
श्री सुनीलपाटनी
(अरिहन्त म्युजिकल ग्रुप, जयपुर)

रविवार, 8 अक्टूबर 2023

प्रातः 7.00 बजे - नित्यमह अभिषेक पूजन
दोपहर 1.15 बजे - ध्वजारोहण
दोपहर 2.30 बजे - दीप प्रज्ज्वलन तत्पश्चात् साजों द्वारा पूजन एवं भजन
दोपहर 3.30 बजे - विद्वानों का उद्बोधन एवं सम्मान समारोह
दोपहर 4.15 बजे - कलशाभिषेक
सायं 5.00 बजे - सामूहिक गोठ
सायं 6.30 बजे - मंगल आरती

वार्षिक मेला एवं सामूहिक गोठ

शनिवार, 7 अक्टूबर एवं रविवार 8 अक्टूबर 2023

वात्सल्य आमंत्रण

धर्मानुरागी महानुभावों,
सादर जय-जिनेन्द्र!

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रकृति की गोद में बसा जयपुर से मात्र 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड़ का 'द्वि-दिवसीय वार्षिक मेला' विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न होगा।

इस सुअवसर पर विधि विधान के सभी कार्यक्रम डॉ. पं. श्री सनतकुमार जी जैन (प्रतिष्ठाचार्य) द्वारा सम्पन्न कराये जायेंगे। अतः आप सभी महानुभावों से निवेदन हैं कि सभी कार्यक्रमों में आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधार कर अतिशय क्षेत्र के दर्शन लाभ प्राप्त कर धर्मलाभ अर्जित करें।

निर्देशन
प्रतिष्ठाचार्य
डॉ. पं. श्री सनतकुमार जी जैन
जयपुर

भक्ति सन्ध्या एवं पूजन
श्री सुनील पाटनी
अरिहन्त म्युजिकल ग्रुप
जयपुर

ध्वजारोहणकर्ता

श्रीमती ज्ञानदेवी जी ध.प. स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी राजेश जी, जितेन्द्र जी डीमापुर (सावां वाले) वैशाली नगर, जयपुर

चित्र अनावरणकर्ता

श्रीमान् महेन्द्र कुमार जी श्रीमती प्रेमलता बड़जात्या चौमू बाग, सांगानेर-जयपुर

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री सुरेन्द्र कुमार जी (मिट्टू भैया)-श्रीमती गीतिका जी जैन (हरियाणा वाले) वैशाली नगर, जयपुर

मुख्य अतिथि

श्रीमती मिश्रा देवी ध.प. स्व. श्री रमेश कुमार जी नवीन कुमार जी, जितेन्द्र कुमार जी, मनोज कुमार जी आलोक कुमार जी जैन छाबड़ा (राजावास वाले) जयपुर

गौरवमय अतिथि

श्री गजेन्द्र कुमार जी प्रवीण कुमार जी विकास जी बड़जात्या (कामां वाले) वैशाली नगर, जयपुर

समारोह अध्यक्षता

श्री सुरेशचन्द जी श्रीमती गीता देवी जी सेठी (चीथवाड़ी वाले) शांति नगर, दुर्गापुरा-जयपुर

विशिष्ट अतिथि ❋ श्रीमान् मोहन जी डागर (उपजिला प्रमुख) जयपुर जिला, जयपुर ❋ श्रीमान् पुनीत जी कर्नावट (उप महापौर नगर निगम ग्रेटर) ❋ श्रीमती नीलम देवी कुमावत (सरपंच-ग्रा.पं. नांगल सिरस-बैनाड़)

आयोजक : प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति (ट्रस्ट) श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड़-जयपुर (राज.)

अध्यक्ष
प्रकाशचन्द गंगवाल
9828550575, 8619639811

कार्याध्यक्ष
पदमचन्द जैन

उपाध्यक्ष
राजेन्द्र पाण्ड्या

मंत्री
अमरचन्द दीवान
नवीन कुमार जैन

संयुक्त मंत्री
श्रीपाल जैन
रवि कुमार जैन

कोषाध्यक्ष
प्रकाशचन्द पाण्ड्या

महामंत्री
अशोक पाण्ड्या
9828590738, 7297908503

कार्यकारिणी सदस्य - सन्तोष कुमार गंगवाल, नेमीचन्द पाटनी, निर्मल कुमार जैन, राकेश पाण्ड्या, जीवन कुमार जैन, अजय कुमार पाण्ड्या, अशोक पाण्ड्या (स.माधोपुर), अनिल कुमार गंगवाल, आशीष कुमार जैन, विक्रम कुमार जैन, अनुज जैन, अरविन्द जैन

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज खोरा-बैनाड़, जयपुर (राज.)

नोट - बाहर से पधारे अतिथियों के भोजन की समुचित व्यवस्था है।

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791, 0141-4030791 Email : rajugraphicart@gmail.com